

आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 22.12.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी - अनमोल खज़ाना" के विषय पर श्री हरिदेव, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा ऑनलाइन वेबिनार दिया गया। [#आज़ादीकाअमृतमहोत्सव](#)

NH			SK	SV
N. P. Honkanadavar	Hari Dev	CSMRS, New Delhi	sumeet kaur	sameer vyas

अहंकार या अहम या इगो

हुक्मैं अंदिर सभ को बाहरि हुक्म न कोए
नानक हुक्मैं जे बुझे त होमैं कहे न कोए (SGGS 1)

नानक गुरुमुख ब्रहम बीचारिए चूके मन अभिमान (SGGS 849)

जब हम होते तब तू नाही अब तूही में नाही ।
अनल अगम जैसे लहरि मए ओदध जल केवल जल मांही (SGGS 657)

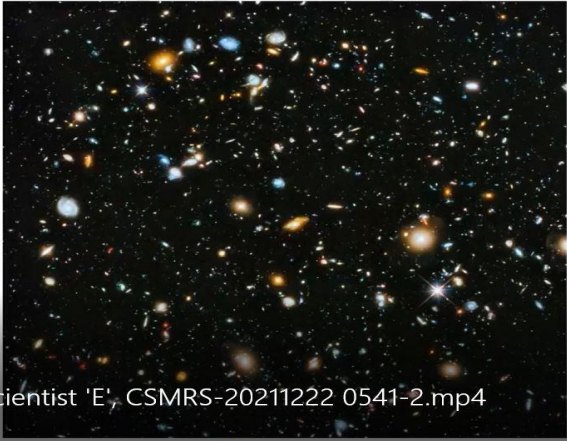
- जब अहंकार होता है तो ईश्वर नहीं होता,
- जब ईश्वर होता है तो अहंकार नहीं होता!
- अपने मन में अहंकार न रखें।
- अहंकार को त्यागें और प्रभु के हुक्म को स्वीकार करें

जब मैं था तब हरि नहीं अब हरि है मैं नाही ।
पेम गली अति सांकरी जामें दो न समाहीं ॥

प्राणी क्या तेरा क्या मेरा जैसे तरवर पंख वसेरा (SGGS 659)

- अहंकार मनुष्य को मनुष्य नहीं रहने देता
- अहंकार ही कर्मों का विनाश है
- विनाश हो कर सेवाभाव से जीवन गुजारना चाहिए

फरीदा खान न लिखिए खान जेठ न कोई
जीवनदियाँ पैरों तले मोड़ियाँ ऊपर होए (SGGS 1378)



गुरु ग्रंथ साहिब जी - अनमोल खज़ाना by Shri Haridev, Scientist 'E', CSMRS-20211222 0541-2.mp4

NH			SK	SV
N. P. Honkanadavar	Hari Dev	CSMRS, New Delhi	sumeet kaur	sameer vyas

प्रमुख उपदेश

गुरु की महता

- गुरु ईश्वर की आवाज और ज्ञान और मोक्ष का सच्चा स्रोत है।
- 'गुरु गुरु कर गुरु मन मोर गुरु बिना मैं नाहिं होर' (SGGS 864)
- गुरु हमेशा अंग संग रहता है

5 बुराइयों से दूर रहें

- अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, हवस
- फरीदा बुरे दा भला कर गुस्सा मन न हंटाए
- देहि रोग न लग ही पल्ले सब कुछ पाये (SGGS 1382)

कोई भेदभाव नहीं



- मानस की जात सभे एको पहचान वो
- अवल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे (SGGS 1349)
- न को वैरी नहीं बैगाना सगल संग हमको बन आई (SGGS)
- सो क्यों मंदा आखिए जिस जम्मे राजान (SGGS 473)



किरत करो, बाँट चको, नाम जपो, (Three foundations)

- मिल बाँट कर खाना, जरूरतमंद लोगों की मदद करना
- शोषण या धोखाधड़ी के बिना ईमानदारी और मेहनत से जीवन व्यतीत करना

गुरु ग्रंथ साहिब जी - अनमोल खज़ाना by Shri Haridev, Scientist 'E', CSMRS-20211222 0541-2.mp4

- पवित्र नाम का जप करना और हर समय भगवान का स्मरण करना
- गुरु साहिबान द्वारा शुरू की गई लंगर की प्रथा आज भी बरकरार है।

NH			SK	SV
N. P. Honkanadavar	Hari Dev	CSMRS, New Delhi	sumeet kaur	sameer vyas


प्रमुख उपदेश



Basics of Sikhism

- It is the world's youngest religion
- Its founder was born in 1469.
- The Sikhs have ten Gurus.
- The Sikhs call God 'Waheguru'.
- Guru Granth Sahib is their holy book.
- The Sikhs worship only one God in his Abstract form.
- According to the Sikh beliefs, God is the eternal truth.
- Their common salutation is 'Sat Sri Akaal'.

- सच्चाई
 - सच की बाणी नानक आखे सच सुनाईसी सच की वेला (SGGS 722)
- सरबत द भला
 - सभी के लिए "आशीर्वाद" या शाब्दिक रूप से "हर कोई समृद्ध हो"
 - 'नानक नाम चड़दी कला तेरे भाणे सरबत द भला'
- वाहेगुरु
 - ईश्वर की रज़ा में राजी रहना
 - वाहेगुरु वाह-गुरु: वाह - "अद्भुत!", और गुरु - "शिक्षक"
 - जे राज कराए तां तेरी उप्मा भीख मंगए तां क्या घट जाए
 - सभै घट रामु बोले रामा बोले। राम बिना को बोले रे (SGGS 988)


गुरु ग्रंथ साहिब जी - अनमोल खज़ाना by Shri Haridev, Scientist 'E', CSMRS-20211222 0541-2.mp4



NH			SK	SV
N. P. Honkanadavar	Hari Dev	CSMRS, New Delhi	sumeet kaur	sameer vyas

आदि ग्रंथ साहिब

- पाँचवें गुरु अर्जन देव जी ने सभी शब्दों को एक ही खंड, आदि ग्रंथ में संकलित किया।
- गुरु ग्रंथ साहिब 31 रागों में एक काव्य के रूप में लिखा गया।
- इसमें हिन्दू, इस्लाम और सूफ़ी संतों द्वारा रचित शब्द एवं भजन शामिल किए गए।
- भाई गुरदास लेखक थे।
- इसका संकलन 29 अगस्त 1604 को पूरा हुआ
- पहली बार 1 सितंबर 1604 को अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के अंदर स्थापित किया गया।
- 1 सितंबर को प्रकाश दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- सिक्खों के पहले चार गुरु गुरु नानक, गुरु अंगद देव, गुरु अमर दास एवं गुरु राम दास की वाणी को शामिल किया
- इसके अलावा 15 भक्तों और 11 भट्टों की वाणी को भी इसमें शामिल किया गया।
- बाबा बुड्डा जी को स्वर्ण मंदिर का पहला गंथी नियुक्त किया गया था।



गुरु ग्रंथ साहिब जी - अनमोल खज़ाना by Shri Haridev, Scientist 'E', CSMRS-20211222 0541-2.mp4

- आदि ग्रंथ में कुछ खाली पन्ने छोड़े गए। जब भाई गुरु दास ने इसका उद्देश्य पूछा, तो उन्होंने उत्तर दिया कि उनका अनुसरण करने वाले गुरुओं में से एक उचित समेय और उचित स्थान पर शब्द जोड़ देगा।